अध्याय I

संगठन का विवरण, कार्य एवं दायित्व

संगठन का विवरण

सामान्य परिचय

1. इरकॉन इन्टरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन), का निगमन रेलवे से प्राप्त विशेषज्ञता की सहायता से वाणिज्यिक विवेक की तर्ज पर भारत में तथा विदेश में रेल परियोजनाओं के निर्माण कार्य के मुख्य प्रयोजन से "भारतीय रेलवे निर्माण कंपनी लिमिटेड" के नाम के तहत दिनांक 28 अप्रैल, 1976 को किया गया था | अन्तराष्ट्रीय छवि तथा कंपनी के प्रचालन के कार्यक्षेत्र की तर्ज पर दिनांक 17 अक्तूबर, "1995 को कंपनी का नाम बदल कर " इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड" कर दिया गया था | इरकॉन दिनांक 28 सितंबर 2018 से एक सूचीबद्ध कंपनी है |

2. इरकॉन भारत सरकार द्वारा धारित 73.18 प्रतिशत की प्रदत्त शेयर पूंजी सहित रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में निर्माण क्षेत्र की अनुसूची –'क' मिनी रत्न श्रेणी-I सरकारी कंपनी है | यह संगठन के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली हेतु एक आईएसओ प्रमाणित कंपनी (वर्ष 1996 से) तथा पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (वर्ष 2011से) और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (वर्ष 2012-13 के दौरान प्रमाणित) के लिए आईएसओ प्रमाणित कंपनी है | कंपनी में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली यथा आईएसओ 45001:2018 विद्यमान है |

3. कंपनी एकीकृत भारतीय इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी है, जिसे रेलवे, राजमार्गों, पुलों, फ्लाइओवरों, सुरगों, विमान अनुरक्षण हैंगरों, रनवे, ईएचवी उप-स्टेशनों, इलैट्रिकल एवं यांत्रिकी कार्यों, वाणिज्यिक एवं आवासीय परिसंपत्तियों, औद्योगिक क्षेत्र के विकास, तथा अन्य अवसंरचनात्मक गतिविधियों सहित प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाओं में विशेषज्ञता प्राप्त है | हम विभिन्न अवसंरचनात्मक परियोजनाओ के लिए, नियत राशी टर्नक आधार पर और मद-दर अधर पर ईपीसी सेवाएं प्रदान करते हैं | इरकॉन भावी आमदनियों को बनाए रखने के लिए कंपनी की वित्तीय क्षमता का लाभ प्राप्त करके निर्माण-प्रचालन-अंतरण (BOT)/ हाइब्रिड एन्यूटी मोड (HRM) आधार और लागत जमा आधार पर परियोजनाओं को भी निष्पादित करता है | इरकॉन का मुख्यालय साकेत, नई दिल्ली में है और इसके व्यवसाय के प्रचालन और प्रबंधन के लिए पूरे भारत में उनसठ (59) परियोजना कार्यालय और चार (4) क्षेत्रीय कार्यालय हैं तथा पांच (5) विदेशी परियोजना कार्यालय अर्थात् श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया, अल्जीरिया और म्यामार में हैं, जो विदेश में बाहरी सहायता उपलब्ध कराते हैं |

प्रचालनिक विशेषता

1. कंपनी ने 1977-78 में अपना परिचालन शुरू किया और इराक में एक बड़ी सफलता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़े पैमाने पर प्रवेश किया, इसके बाद अल्जीरिया आया। भारत की प्रमुख निर्माण कंपनियों में से एक के रूप में इरकॉन की प्रतिष्ठा के लिए अर्जित अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप समय पर परियोजना को पूरा करना। विशेष रूप से रेलवे क्षेत्र में अपना परिचालन शुरू करते हुए, कंपनी ने 1985 में अपनी गतिविधियों को अन्य निर्माणों में भी विविधीकृत किया। 1993 में बीओटी, बीओओटी, बीएलटी आदि पर परियोजनाओं को लीजिंग, रियल एस्टेट आदि से संबंधित व्यवसाय को शामिल करने के लिए दायरे को और बढ़ाया गया था।

2. इरकॉन की मुख्य क्षमताएं हैं - रेलवे, राजमार्ग और ईएचटी सब-स्टेशन इंजीनियरिंग और निर्माण। कंपनी ने रेलवे निर्माण के क्षेत्रों में संचालित परियोजनाओं को निष्पादित किया है, जिसमें बॉलस्ट लेस ट्रैक, विद्युतीकरण, सुरंग, सिग्नल और दूरसंचार के साथ-साथ लोको को पट्टे पर देना, सड़कों, राजमार्गों, वाणिज्यिक, औद्योगिक और आवासीय भवनों और परिसरों का निर्माण, हवाई अड्डा रनवे और हैंगर, मेट्रो और मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम आदि शामिल हैं।

3. अब तक, इरकॉन ने दुनिया भर के 25 देशों में 128 से अधिक परियोजनाओं और भारत में 400 से अधिक परियोजनाओं को वितरित किया है। यूएसए के इंजीनियरिंग न्यूज रिकॉर्ड (ईएनआर) के 2022 संस्करण के अनुसार, इरकॉन एकमात्र भारतीय पीएसयू है जो इसे शीर्ष 250 अंतरराष्ट्रीय ठेकेदारों की सूची के साथ-साथ शीर्ष 250 वैश्विक निर्माण ठेकेदारों के तहत बनाने के लिए है।. इसके अलावा, मार्च 2023 में जारी बिजनेस स्टैंडर्ड बीएस 1000 वार्षिक पत्रिका में, आईआरसीओएन को कुल राजस्व द्वारा 2022 में 164 वें स्थान पर रखा गया है और 'निर्माण और बुनियादी ढांचे' क्षेत्र के तहत क्षेत्र के प्रदर्शन के संदर्भ में 7 वें स्थान पर है। फॉर्च्यून इंडिया 500 की सूची में 2022 में इरकॉन भी 226वें स्थान पर है।

अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं

बांग्लादेश, अल्जीरिया, श्रीलंका, नेपाल और म्यामार में चालू अन्तराष्ट्रीय परियोजनाएं निम्नलिखित है:

(क) **बांग्लादेश**- बांग्लादेश रेलवे के लिए खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत तटबंध का निर्माण, ट्रैक, सभी सिविल कार्य, प्रमुख और छोटे पुल (रुपशा पुल को छोड़कर) का निर्माण और डब्ल्यूडी-1 के प्रति ईएमपी का क्रियान्वयन कार्य |

(ख) **अल्जीरिया** – एएनईएसआरआईएफ, परिवहन मंत्रालय, अल्जीरिया सरकार- एएनईएसआरआईएफ द्वारा प्रदान की गई अल्जीरिया में दोहरी रेलपथ लाइन (93 किलोमीटर) की स्थापना |

(ग) **श्रीलंका** - श्रीलंका रेलवे, श्रीलंका सरकार के इंडियन लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत महो से ओमंथाई परियोजना के लिए रेललाइन का उन्नयन - ट्रैक पुनर्वास और सहायक कार्य। इसके अलावा, इंडियन लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत महो जंक्शन (सहित), से अनुराधापुरा (बहिष्कार) तक सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणाली के डिजाइन, स्थापना, परीक्षण, कमीशन और प्रमाणित करना।

(घ) **नेपाल** – भारत-नेपाल सीमा पर जोगबनी (भारत)-विराटनगर (नेपाल) के बीच बी.जी. रेल लाइन का निर्माण और भारत नेपाल सीमा पर बरदीबास तक विस्तार सहित जयनगर (भारत)-बिजलपुरा (नेपाल) पर आमान परिवर्तन द्वारा बी.जी. लाइन का निर्माण |

(ङ) **म्यांमार** – कालादान मल्टी-मोडल ट्रांजिट परिवहन (केएमएमटीटी परियोजना) – विदेश मंत्रालय के तहत (पलेटवा) (म्यांमार) से ज़ोरिनपुई मिज़ोरम) (कलादान रोड प्रोजेक्ट) तक सड़क का निर्माण कार्य |

घरेलू परियोजनाएं

निगमन के बाद से, कंपनी ने विभिन्न बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में विविधता लाई है और यह अब रेलवे और राजमार्ग निर्माण के क्षेत्र में एक स्थापित कंपनी है। इसके अतिरिक्त, इसने कई अन्य क्षेत्रों जैसे पावर ट्रांसमिशन लाइन, सब-स्टेशन औद्योगिक कॉम्प्लेक्स, ब्रिज और फ्लाईओवर, सुरंग, विद्युत और यांत्रिक कार्य, सिग्नलिंग और दूरसंचार, उत्पादन इकाइयों, स्टेशन भवन, बहु-कार्य कॉम्प्लेक्स, और आवासीय परिसर और हवाई अड्डे, वाणिज्यिक के निर्माण में विविधता विस्थापित की है। विभिन्न क्षेत्रों में परियोजना पोर्टफोलियो के विविधीकरण ने हमें निर्माण व्यवसाय को ख़त्म करने और किसी भी क्षेत्र या परियोजना पर हमारी निर्भरता को कम करने में मदद की है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, आपकी कंपनी को भारत में परियोजनाओं से सम्मानित किया गया था, जैसे, गेरे पेल्मा सेक्टर-III कोयला खान की खान लीज बाउंडरी के लिए रेलवे स्टेशन के साथ रेलवे साइडिंग की स्थापना, सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणाली के लिए पीएमसी सेवाएं; और प्रस्तावित 02 नग के लिए रेल अवसंरचना का विकास। तालचर में जगन्नाथ क्षेत्र के अनंत ओसीपी के लिए आरएलएस (20

एमटीवाई)। इरकॉन को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में नए औद्योगिक सम्पदा के विकास के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसयू) के लिए भी नियुक्त किया गया है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित दो परियोजनाओं को पूर्ण परियोजना श्रेणी में शामिल किया गया है। इसके साथ, इरकॉन ने 400 से अधिक पूर्ण घरेलू परियोजनाओं को पूरा किया है।

- किलोमीटर से आठ लेन वडोदरा किम एक्सप्रेसवे का निर्माण। हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर एनएचडीपी चरण-VI (चरण IA-पैकेज II) के तहत गुजरात राज्य में 323.000 से 355.000 (वडोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे के पादरा खंड के लिए SANPA)।

- ईसीआर - विद्युतीकरण परियोजना (72 किमी) के साथ हाजीपुर - बछवाड़ा के बीच दोहरीकरण, जिसमें सभी सेवा और आवासीय भवनों की योजना, डिजाइन और निर्माण, परिसंचरण क्षेत्र, पार्किंग, प्लेटफॉर्म, सबवे, आश्रय और सभी स्टेशनों की अन्य संबद्ध संरचनाएं, इलेक्ट्रिकल, सिग्नल सहित

चालू परियोजनाएं :

भारत में चल रही प्रमुख परियोजनाओं की **सूची परिशिष्ट –क** में प्रस्तुत है |
वित्त वर्ष 22-23 में, आपकी कंपनी का फोकस निष्पादन, तेजी से वितरण और अत्यधिक आवश्यक बुनियादी ढांचे की वृद्धि में समग्र इष्टतम योगदान के लिए कड़ी समयसीमा को पूरा करना रहा है। यह हमारे माननीय प्रधान मंत्री और माननीय रेल मंत्री के विजन के अनुरूप है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत में चल रही प्रमुख परियोजनाओं की कुछ उपलब्धियां निम्नलिखित थीं:

1. जम्मू और कश्मीर में उधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक परियोजना (यूएसबीआरएल) (लागत प्लस अनुबंध जो उत्तरी रेलवे द्वारा 13557.47 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत को संशोधित करते हुए दिया गया है): वित्त वर्ष 2022-23 में 23.4 किमी सुरंग अस्तर का मील का पत्थर पूरा हो गया है और कुल 94.162 किमी लंबाई [मुख्य सुरंग (एमटी) + एस्केप सुरंग (ईटी) और क्रॉस पैसेज (सीपी) शामिल है] कटरा से बनिहाल के बीच खंड में पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा, 13.18 किमी मीट्रिक टन और 32.34 किमी ईटी की खोज भी हासिल की गई थी। परियोजना ने लगभग 2899.40 करोड़ रुपये की अपनी अब तक की सबसे अधिक व्यय बुकिंग भी हासिल की है। परियोजना का निष्पादन अग्रिम चरण में है और इसे वित्त वर्ष 2023-24 में चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।

2. सिवोक रंगपो नई बीजी रेल लाइन परियोजना (लागत प्लस अनुबंध पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वारा ₹8248 करोड़ की संशोधित अनुमानित लागत से सम्मानित किया गया): वित्त वर्ष 22-23 में पूरी की गई कुल सुरंग खनन और लाइन क्रमशः 11.60 किमी और 2.28 किमी है। छह सुरंगों में खनन कार्य पूरा हो चुका है। 18.06.2022 को सुरंग टी-5 की दूसरी सफलता का माइलस्टोन, 19.10.2022 को सुरंग टी-9 की तीसरी सफलता, 23.11.2022 को सुरंग टी-2 (896 मीटर) की चौथी सफलता, 24.12.2022 को सुरंग टी-12 (1404 मीटर) की पांचवीं सफलता, 23.01.2023 को सुरंग टी-11 (3232 मीटर) की छठी सफलता और इस परियोजना की सबसे लंबी एडिट सुरंग यानी 19 फरवरी, 2023 को सुरंग टी-10 का एडीआईटी-1 (1144एम) सभी 14 सुरंगों, 13 प्रमुख पुलों और 4 गज की दूरी पर कार्य प्रगति पर है। परियोजना की समग्र प्रगति 50% है। यह परियोजना गंगटोक से भविष्य की कनेक्टिविटी के साथ और उसके बाद भारत-चीन सीमा (नाथुला पास) के लिए रणनीतिक महत्व की है और रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

3. डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट (वैतरणा - पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर चरण -2 का सचिन खंड), सिविल, बिल्डिंग एंड ट्रैक वर्क्स, पैकेज - सीटीपी-12: डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) द्वारा प्रदान किया गया

ईपीसी अनुबंध: कार्य की संशोधित अनुमानित लागत ₹3353 करोड़ होगी। 186 आरकेएम में से सचिन - घोलवाड सेक्शन में 110 रूट किमी में पूरा किया गया और ट्रायल रन किया गया। घोलवाड़ - वैतरणा सेक्शन में बैलेंस वर्क्स अच्छी तरह से प्रगति कर रहा है।

4. रामपुर दुमरा-तलाल-राजेंद्रपुल (लागत प्लस परियोजना पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ₹1701 करोड़ की अनुमानित लागत को संशोधित करते हुए प्रदान की गई): इस परियोजना में 17 स्पेन के साथ 1874 मीटर की कुल लंबाई वाले मुख्य पुल का डिजाइन और निर्माण, 3.2 किमी की रेल अवनति, 2 नग शामिल हैं। आरओबी, 3 नग आरओआरएस, एक आरयूबी, लगभग 11.3 किमी, 8 नग का तटबंध। विद्युतीकरण सहित छोटे पुल और ट्रैक लिंकिंग कार्य। 15 कास्टिंग और 18 कुओं में से 11 कुओं को डुबो देना, एक एब्यूटेशन और सात पियर कैप कास्ट किए गए हैं। 6 नग का निर्माण वेब गर्डर भी खोलें। बाढ़ सुरक्षा कार्यों के साथ उत्तर की ओर निर्माण कार्य पूरा हो गया है और 28.36 लाख घन मीटर पृथ्वी कार्य के दायरे की तुलना में 25.98 लाख घन मीटर नदी के दक्षिण की ओर का कार्य पूरा हो गया है। आठ छोटे पुलों में से सात पुल, एक आरयूबी और दो आरओबी के लिए उपसंरचना भी पूरी हो गई है। सभी 3 आरओआर पूर्ण किए गए और पाइल कैप कास्टिंग पर पिलिंग कार्य प्रगति पर है (50% कार्य पूरे हुए)। महत्वपूर्ण पुल, आरओबी और आरओआर के लिए सभी संरचनात्मक स्टील की खरीद की गई। डक्ट के माध्यम से 3.6 किमी लंबे समय से काम भी अच्छी तरह से प्रगति कर रहा है और अब तक 927 नग है। 1000 में से ढेर की संख्या, 61 पियर कैप और 101 नग में से 12 पियर शाफ्ट। पियर पूरे हो गए हैं। शेष कार्य में अच्छी प्रगति हो रही है।

5. भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 4(3) के अंतर्गत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा कटनी-सिंगरौली डबलिंग परियोजना (लागत प्लस पश्चिमी मध्य रेलवे द्वारा 2445 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत को संशोधित करते हुए परियोजना से सम्मानित किया गया): वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 78.29 किमी खंड चालू किए गए थे। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 49.21 किलोमीटर का लक्ष्य रखा गया है। सीआरएस (रेलवे सुरक्षा निरीक्षण आयुक्त) ने 27.06.2023 को महरोई-विजयसोटा के 19.13 किमी खंड का निरीक्षण किया है। दिसंबर 2023 में 30.11 किमी के एक और खंड की योजना है और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 7.51 किमी है, अब तक 257 किमी में से कुल 180.5 किमी को चालू किया गया है।
6. कटनी-सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना (रेलवे विद्युतीकरण कार्य): वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कटनी-सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना में रेलवे विद्युतीकरण का कार्य 78 आरकेएम है। दोहरीकरण के साथ कुल 180.5 किलोमीटर का विद्युतीकरण पूरा किया गया।

7. किउल-गया दोहरीकरण परियोजना (लागत प्लस परियोजना पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 1200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत को संशोधित करते हुए प्रदान की गई): वजीरगंज-तिलैया खंड (18.01 किमी) का सीआरएस निरीक्षण (रेलवे सुरक्षा निरीक्षण आयुक्त) 02.09.2022 को आयोजित किया गया था और अनुभाग को 100 किमी प्रति घंटे की अनुमेय गति से चालू किया गया था; और, 21.02.2023 को पूरे लखीसराय-शेखपुरा खंड (25.32 किमी) को 100 किमी प्रति घंटे के साथ कमीशन किया गया था। अब तक कुल 61.48 किलोमीटर का योजना बनाई गई है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, दिनांक 31.05.2023 को काशीचक यार्ड के 1.405 कि.मी., वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान शेष 61.64 किलोमीटर की योजना बनाई गई है।

8. घोलसापुर, बेहला स्टेडियम, पूर्वी रेलवे कोलकाता में खेल परिसर (80.82 करोड़ रुपए का संशोधित अनुमान)): 30 मई 2022 को बहला में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ एक अंतरराष्ट्रीय मानक पूरी तरह से वातानुकूलित बहु-उद्देश्यीय इंडोर स्टेडियम का उद्घाटन किया गया था।
9. एनसीआरटीसी परियोजना (723 करोड़ रुपये की संशोधित अनुमानित लागत): इरकॉन ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से एनसीआरटीसी के दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के ओएचई और बिजली आपूर्ति कार्य के लिए वित्त पोषित प्रतिष्ठित एडीबी (एशियाई विकास बैंक) को सुरक्षित किया है। यह 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति और 160 किमी प्रति घंटे की संचालन गति प्राप्त करने के लिए भारत में पहली अर्ध-गति वाली रैपिड रेल परियोजना के रूप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है।

प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार है:

- 3000 केजीएफ तनाव के स्प्रिंग टाइप एटीडी, इंसुलेटेड ओवरलैप पर ग्लास फाइबर टेंशन इंसुलेटर, रिट्रैक्टेबल कैटेनरी सिस्टम, जिसका उपयोग भारत में पहली बार 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति के लिए किया गया है;
- 220 केवी, 33 केवी और 25 केवी गैस इंसुलेटेड सब-स्टेशनों (जीआईएस) को चालू करना, जो आकार में कॉम्पैक्ट हैं, रखरखाव में कम हैं और स्थान की आवश्यकता को कम करते हैं;
- रिकॉर्ड समय में 17 आरकेएम की दूरी को कवर करते हुए साहिबाबाद से दुहाई सहित दुहाई तक परियोजना के प्राथमिकता वाले खंड के ओवरहेड उपकरण (ओएचई) को चालू करना;
- 5 जनवरी 23 को ट्रायल रन शुरू करके परिणाम देना;
- 2 नग को चालू करना 220 केवी प्राप्त उप स्टेशनों (गाजियाबाद आरएसएस और मुराद नगर आरएसएस) में से, जीएसएस से आरएसएस तक 220 केवी ईएचवी केबलिंग और 5 नंबर। 33 केवी सहायक उप स्टेशनों (एएसएस) में;
- आईजीबीसी की उच्चतम रेटिंग प्राप्त करने के अनुपालन में आरएसएस स्थानों पर सिविल कार्य निष्पादित किए गए हैं;
- एनसीआरटीसी परियोजना के लिए आईएसओ 45001: 2018 (व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली) और आईएसओ 14001: 2015 (पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली) प्रमाणन;

वित्तीय विशिष्टताएं:

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी ने स्टैंडअलोन आधार पर 10,262 करोड़ रुपये की कुल आय और 9,921 करोड़ रुपये का परिचालन कारोबार अर्जित किया है।
2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन के कुछ महत्वपूर्ण संकेतक नीचे दिए गए हैं:

क्र. सं.	विवरण	2022-23	2021-22	वृद्धि / (कमी)
		[रुपए करोड़ में]	[रुपए करोड़ में]	[प्रतिशत में]
1	कुल आय /टर्नओवर	10262	7181	42.91%
2	कुल परिचालन आय / टर्नओवर	9921	6910	43.57%
3	विदेशी परियोजनाओं से परिचालन आय	412	480	-14.17%
4	भारतीय परियोजनाओं से परिचालन आय	9509	6430	69.26%
5	कर पूर्व लाभ	883	610	44.75%
6	कर पश्चात् लाभ	777	544	42.83%
7	निवल मूल्य	5178	4621	12.05%
8	लाभांश (अंतिम और अंतरिम)	282	235	20.00%

वित्त वर्ष 2022-23 में, निदेशक मंडल ने रु.2/- प्रति शेयर के अंकित मूल्य के प्रति इक्विटी शेयर के रूप में रु.1.80/- के अंतरिम लाभांश की घोषणा और वितरण किया। यह लगभग 169.29 करोड़ रुपये की राशि है (इसकी गणना 188.10/- करोड़ रुपये की चुकता शेयर पूंजी के 90% पर की गई)। अंतरिम लाभांश दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी के गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के आधार पर घोषित किया गया था।

इसके अलावा, 12 सितंबर 2023 को आयोजित 47वीं वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा कुल ₹112.86 करोड़ (₹18810 करोड़ की चुकता शेयर पूंजी का 60%) के अंकित मूल्य पर ₹1.20 प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश को अनुमोदित किया गया था।
इन लाभांशों को ध्यान में रखते हुए, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कुल लाभांश लगभग ₹282.15 करोड़ (₹18.10 करोड़ की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 150%) होगा। यह वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कर पश्चात लाभ का 36.31% और 31 मार्च, 2023 को कंपनी के निवल मूल्य का 5.45% है। प्रस्तावित अंतिम लाभांश के अनुमोदन और भुगतान पर, वित्त वर्ष 2022-23 तक शेयरधारकों को भुगतान किया गया संचयी लाभांश लगभग 2,656.62 करोड़ रुपये होगा।

शेयर पूंजी

31 मार्च, 2023 तक, कंपनी की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी ₹18810 करोड़ रही, जिसमें प्रत्येक ₹2/- के अंकित मूल्य के 94,05,15,740 इक्विटी शेयर शामिल थे। कंपनी के प्रमोटर की शेयरधारिता अर्थात 31 मार्च, 2023 को भारत के राष्ट्रपति कंपनी की कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 73.18% थे। इरकॉन प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19(2) और नियम 19क में निर्दिष्ट न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) आवश्यकताओं का अनुपालन करता है।
31 मार्च, 2023 को इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (आईआरसीओएन) के बाजार मूल्य के आधार पर, इसे शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों में रखा गया है। 31 मार्च, 2023 तक, आपकी कंपनी का बाजार पूंजीकरण ₹5266.89 करोड़ रहा।

आर्डर बुक

31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार, आदेश बही 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार 43758 करोड़ रुपये की तुलना में 35195 करोड़ रुपये है। प्रमुख नए आदेश रेलवे विद्युतीकरण, राजमार्ग परियोजना, मेट्रो ट्रैक कार्यों, कार्यशालाओं, हवाई अड्डों और नवीकरणीय ऊर्जा से हैं; प्रतिष्ठित हाई स्पीड रेलवे परियोजना में सिविल और ट्रैक काम से भी हैं। 30 जून, 2023 को ऑर्डर बुक ₹32,486 करोड़ थी।

सीएसआर एवं संधारणीलयता

वित्तीय वर्ष 2022-23 में, सीएसआर गतिविधियों पर वास्तविक व्यय ₹10.12 करोड़ था, जो आवंटित बजट को ₹10.10 करोड़ से अधिक था। इस बजट के भीतर, एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्वास्थ्य क्षेत्र को समर्पित किया गया था, जिसमें पीएम केयर्स फंड में ₹1.53 करोड़ का योगदान शामिल था।

सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियां:

इरकॉन भारत में अपनी 11 (ग्यारह) सहायक कंपनियों के माध्यम से बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देने में भी लगा हुआ है (क) इरकॉन इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज लिमिटेड (आईआरसीओएनआईएसएल), सितंबर 2009 में शामिल है; (ख) इरकॉन पीबी टोलवे लिमिटेड (आईआरसीओएनपीबीटीएल), सितंबर 2014 में शामिल है;

(ग) मई 2015 में शामिल इरकॉन शिवपुरी गुना टॉलवे लिमिटेड (IRCONSGTL); (घ) मई 2017 में शामिल इरकॉन दावणगेरे हावेरी हाईवे लिमिटेड (IRCONDHL); (ई) मई 2018 में निगमित इरकॉन वडोदरा किम एक्सप्रेसवे लिमिटेड (IRCONVKEL); (च) दिसंबर 2020 में निगमित इरकॉन गुड़गांव रेवाड़ी हाईवे लिमिटेड (IRCONGRHL); (छ) इरकॉन अकलौली शिरसद एक्सप्रेसवे लिमिटेड, दिसंबर 2021 में निगमित की गई; (ज) इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड, दिसंबर 2021 में निगमित की गई; (i) जनवरी 2022 में निगमित इरकॉन भोज मोरबे एक्सप्रेसवे लिमिटेड; (जे) इरकॉन हरिद्वार बाईपास लिमिटेड; और (के) इरकॉन रेनेवाबेल पावर लिमिटेड, जनवरी 2022 में निगमित की गई।

इरकॉन भारत में सात संयुक्त उद्यम कंपनियों में एक संयुक्त उद्यम भागीदार भी है। (क) छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल); (ख) छत्तीसगढ़ राज्य में दो रेलवे कॉरीडोरों के विकास के लिए 2013 में शामिल छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईडब्ल्यूआरएल); (ग) महाराष्ट्र में बीओटी राजमार्ग परियोजना को निष्पादित करने के लिए 2005 में शामिल इरकॉन सोमा टोलवे प्राइवेट लिमिटेड (आईएसटीपीएल); (घ) अप्रैल 2012 में निगमित भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम लिमिटेड (आईआरएसडीसी); (ई) बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड (बीआरपीएल), 5 मई 2016 को निगमित किया गया; (च) 31 अगस्त 2015 को निगमित झारखंड सेंट्रल रेलवे लिमिटेड (जेसीआरएल); और (छ) 31 अगस्त 2015 को निगमित महानदी कोल रेलवे लिमिटेड (एमसीआरएल)।

समझौता ज्ञापन रेटिंग /पुरस्कार

लोक उद्यम विभाग दिशानिर्देशों के संदर्भ में रेल मंत्रालय और इरकॉन के बीच समझौता ज्ञापन किया जाता है, जिसके अंतर्गत चयनित मापदंडों पर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से पहले तय किये गए लक्ष्य और परिणाम को मापने के लिए वर्ष के अंत के बाद मूल्यांकन किया जाता है | समझौता ज्ञापन मापदंडों और निष्पादन के आधार पर, कंपनी को उत्कृष्ट रेटिंग प्रदान की गई है और वर्ष 2021-22 के लिए "बहुत अच्छा" रेटिंग प्रदान की गई है |

इरकॉन को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। अब तक वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त कुछ महत्वपूर्ण पुरस्कारों एवं सम्मानों का उल्लेख निम्नलिखित है:

- पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार
- ईएनआर - निर्माण विश्व वैश्विक पुरस्कार
- डून और ब्रैडस्ट्रीट पीएसयू और सरकारी शिखर सम्मेलन - आत्मनिर्भर भारत पहल

परिशिष्ट -क

भारत में प्रमुख चालू परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना का नाम	संशोधित संविदा मूल्य (रुपए करोड़ में)
रेलवे		
1.	उत्तर रेलवे के लिए कटरा-काजीगुंड खंड (इरकॉन भाग), उधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल संपर्क परियोजना,	13,359
2.	उत्तरी सीमांत रेलवे के लिए सिवोक-रंगपो नई रेल लाइन परियोजना	8,215
3.	एनएचएसआरसीएल के लिए मुंबई अहमदाबाद उच्च गति रेल परियोजना, पैकेज एमएएचएसआर-टी-2	5143
4.	छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईडब्ल्यूआरएल) के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में गेवरा रोड से पेंडरा रोड के बीच ईस्ट-वेस्ट गलियारे के व्यवहार्यता अध्ययन के परिणामस्वरूप लगभग 135 किमी गेवरा रोड से पेंडरा रोड के बीच पूर्वी-पश्चिम गलियारे के कॉरिडार-III का निर्माण कार्य	3,198

5.	छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल) के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में खरसिया से धर्मजयगढ़ और एसपुर लाइन के बीच ईस्ट कॉरिडोर-I का निर्माण।	1,958
	सीईआरएल (सीईआरएल-II) के लिए धरमजयगढ़ से कोरबा (उरगा) के बीच नई बीजी विद्युतीकृत रेल लाइन का निर्माण।	1,138
6.	डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट, सीटीपी-12 के वैतरणा-सचिन सेक्शन के सिविल, बिल्डिंग एंड ट्रैक वर्क्स का डिजाइन और निर्माण	2,603
7.	पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी - सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना में दोहरीकरण परियोजनाएं	1,763
8.	अहमदाबाद स्टेशन, साबरमती स्टेशन, वियाडक्ट और ब्रिज, क्रॉसिंग ब्रिज (स्टील ट्रस गर्डर के निर्माण और परिवहन को छोड़कर) और एमएएचएसआर किमी के बीच संबद्ध कार्यों को शामिल करते हुए डबल लाइन हाई स्पीड रेलवे के लिए डिजाइन बिल्ड लंप सम मूल्य आधार पर परीक्षण और कमीशनिंग सहित सिविल और भवन कार्यों का डिजाइन और निर्माण। 489.467 और एमएएचएसआर किमी 507.599 गुजरात राज्य में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल के निर्माण की परियोजना के लिए (पैकेज संख्या एमएएचएसआर सी -7), नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के लिए|	1,714
9.	बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड (बीआरपीएल) द्वारा पहचानी गई रेल कनेक्टिविटी परियोजनाओं का निष्पादन।	1,466
10.	एनएचएआई के लिए भारतमाला परियोजना (चरण-II- पैकेज-XVII) के तहत हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर महाराष्ट्र राज्य में 69.800 किलोमीटर से 79.783 किलोमीटर (बड़ोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे के भोज से मोरबे सेक्शन-एसपीयूआर) तक आठ लेन एक्सेस नियंत्रित एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य।	1,436
11	आरडीयूएम-ताल-आरजेओ (रामपुर डुमरा - ताल - गंगा पुल सहित राजेंद्रपुल दोहरीकरण) पूर्वी मध्य रेलवे के लिए दोहरीकरण परियोजनाएं	1,336
12	पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी ग्रेड सेपरेटर/बाईपास लाइन (21.50 किमी) परियोजना।	1,248
13	पूर्वी मध्य रेलवे के लिए किउल - गया दोहरीकरण परियोजनाएं	1,200
14	झारखंड सेंट्रल रेलवे लिमिटेड (जेसीआरएल) के लिए सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन, विभिन्न पहचानी गई रेल कोयला कनेक्टिविटी परियोजनाओं का विस्तृत डिजाइन और निर्माण।	1,139
15	महानदी कोयला रेलवे लिमिटेड (एमसीआरएल) के लिए सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन, विभिन्न पहचानी गई रेल कोयला कनेक्टिविटी परियोजना (एस) का विस्तृत डिजाइन और निर्माण।	1,075
16	पूर्वी मध्य रेलवे के लिए हाजीपुर - बछवाड़ा दोहरीकरण परियोजनाएं	930
17	अखौरा - नॉर्थ सीमांत रेलवे के लिए अगरतला रेल संपर्क परियोजना (भारतीय भाग का निर्माण)	743

सड़क		
1	एनएचडीपी चरण-VI के तहत एनएचएआई के लिए हाइब्रिड एन्युइटी मोड (चरण IA-पैकेज II) पर गुजरात राज्य में किमी 323.00 से किमी 355.00 (वडोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे के पादरा सेक्शन में सप्पा) तक आठ लेन वडोदरा किम एक्सप्रेसवे का निर्माण।	1,378
2	एनएचएआई के लिए भारतमाला परियोजना (चरण II-पैकेज XIV) के तहत हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर महाराष्ट्र राज्य में किमी 3.000 से किमी 20.200 (वडोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे के शिरसाड से अकलौली सेक्शन-एसपीयूआर) तक आठ लेन के एक्सेस-नियंत्रित एक्सप्रेसवे का निर्माण	1,124
3	चार/छह लेन का निर्माण ग्रीनफील्ड लुधियाना- रूपनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सं. एनएच-205के मनेवाल (लुधियाना) के पास एनई-5 गांव के साथ जंक्शन से भीरा गांव (रूपनगर) के पास एनएच-205 के साथ जंक्शन तक, पंजाब राज्य में भारतमाला परियोजना के तहत लुधियाना बाईपास के साथ फर से खरार तक, हाइब्रिड एन्युटी मोड पर : पैकेज -3 (डिजाइन सीएच)। 66.440 से डिजाइन सीएच. 90.500 और फर टू खरार डिजाइन चौ। 0.000 से डिजाइन CH. 19.200, कुल लंबाई 43.26 किमी), एनएचएआई के लिए	1,107
4	एनएचएआई के लिए हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर हरियाणा राज्य में फीडर मार्ग के रूप में एनएच-352डब्ल्यू के गुड़गांव-पाटोड़ी-रेवाड़ी खंड का अद्यतन	900
5	हरिद्वार बाईपास पैकेज-1 का किलोमीटर से उन्नयन और चार लेनिंग। 0+000 (राष्ट्रीय राजमार्ग-58 का किमी 188+100) से किलोमीटर तक। एनएचएआई के लिए हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर उत्तराखंड राज्य में 15 + 100 (एनएच 74 का किमी 5 + 100)	861
अन्य		
1	भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (आईआरईडीए) के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसयू) योजना चरण-II (सरकारी उत्पादक योजना) के तहत भारत में 500 मेगावाट ग्रिड कनेक्टेड सोलर पीवी पावर प्रोजेक्ट्स (ट्रांच III) की स्थापना	1,960
2	दो परियोजनाएं उप स्टेशनों का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करना [25 केवी एसी ट्रैक्शन सह 33 केवी सहायक मुख्य उप स्टेशनों सहित], अतिरिक्त उच्च वोल्टेज और उच्च वोल्टेज केबिलिंग, 25 केवी ओवरहेड उपकरण (एफओसीएस/आरओसीएस), सहायक विद्युत आपूर्ति [सहायक उप स्टेशन सहित];	318
	एनसीआरटीसी के दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के लिए दुहाई (ईपीई) से मोदीपुरम [मोदीपुरम डिपो सहित] तक डक्ट एंड टनल के माध्यम से एसोसिएटेड वर्क्स (एलओटी-पी19 एल1 और एलओटी-पी19 एल2)	405
3	उत्तर सीमांत रेलवे के लिए बदरपुर-जिरिबाम, कटखल-भैरबी और बादापुर-करीमगंग-सबरूम इंकल करीमगंग-मैसासन, अगरतला-अकौरा और बाराईग्राम - दुललाबाचेरा के लिए रेलवे विद्युतीकरण कार्य	659

x-x-x-x-x